उद्यमिता के लिए 100 करोड़ मंजूर

एकेटीयू

- वित्त समिति की बैठक में महत्वपूर्ण फैसले लिए गए
- नवाचार और उद्यमिता के प्रस्ताव को मिली सहमति

लखनऊ, संवाददाता। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय ने प्रदेश में स्टार्टअप और एंटरप्रन्योरशिप को बढ़ावा देने के लिए 100 करोड़ के इनोवेशन निधि बनाए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। यह फैसला कुलपति प्रो. जेपी पांडेय की अध्यक्षता में हुई वित्त समिति की बैठक में लिया गया।

कुलपति प्रो. जेपी पांडेय ने बताया कि इससे इनोवेशन हब और इनक्यूबेशन सेंटर को सहायता प्रदान की जाएगी। इसके अलावा एकेटीयू परिसर में नए सत्र से बीटेक पाठ्यक्रम के लिए बजट को मंजूरी दी गई। विश्वविद्यालय अपने इंजीनियरिंग के छात्रों को स्किल्ड बनाने पर जोर दे रहा है। कोर ब्रांच इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल एवं इंस्ट्रुमेंटेशन शाखाओं के छात्रों को स्किल्ड किया जाएगा। इसके लिए आईईटी लखनऊ, केएनआईटी सुल्तानपुर, बीआईईटी झांसी और यूपीआईडी नोएडा में इंडस्ट्री के सहयोग से सेंटर ऑफ एक्सिलेंस की स्थापना के प्रस्ताव को भी सहमति दी गई। इस सेंटर के स्थापित होने से इंडस्ट्री के विशेषज्ञ छात्रों प्रशिक्षित करेंगे। इसी तरह वास्तुकला एवं योजना संकाय में मास्टर ऑफ प्लानिंग (स्पेशलाइजेशन इन इफ्रास्ट्रक्चर प्लानिंग एंड मैनेजमेंट) का नया पाठ्यक्रम शुरू करने के प्रस्ताव को सैद्धांतिक सहमति दी गई। सभी प्रस्ताव वित्त अधिकारी केशव सिंह ने प्रस्तुत किया। बैठक में शासन के विशेष सचिव अन्नावि दिनेश कुमार, अपर मुख्य सचिव वित्त विभाग के प्रतिनिधि विवेक कुमार सिंह, कुलसचिव रीना सिंह सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। कुलपति का कहना है कि उच्चकोटि के शोध को बढ़ावा देने के लिए आईईटी लखनऊ के बायोटेक्नोलॉजी विभाग में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन बायोप्रिंटिंग एंड अप्लाइड बायोटेक्नोलॉजी की स्थापना के लिए छह करोड़ को मंजूरी दी गई।